राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–250/2024

भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ पूरे विश्व की संपत्ति है –राज्यपाल

पटना, 02 दिसम्बर, 2024 :– ''भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ सिर्फ भारत की ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की संपत्ति है। सनातन और बौद्ध धर्म में कोई भिन्नता नहीं है। भारत और थाईलैंड आध्यात्मिक रूप से एक हैं। आगामी वर्षों में पूरा विश्व भगवान बुद्ध के विचारों का अनुसरण करेगा।''–यह बातें माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने चौथे मेकांग–गंगा धम्मयात्रा पर थाईलैंड से आये प्रतिनिधिमंडल के स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम का आयोजन राजभवन में किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म भारत का विश्व को अनुपम देन है। आज जब पूरा विश्व युद्ध की विभीषिका से जुझ रहा है, ऐसे में भगवान बुद्ध के विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं। भगवान बुद्ध ने हमें एक–दूसरे के साथ प्रेम करना सिखाया। उन्होंने अहिंसा और सद्भावना की सीख दी। आगामी वर्षों में पूरी दुनिया भगवान बुद्ध के विचारों का अनुसरण करेगी, क्योंकि इसी में विश्व का कल्याण निहित है।

राज्यपाल ने इस वर्ष के फरवरी माह की अपनी थाईलैंड यात्रा के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भगवान बुद्ध और उनके दो प्रमुख शिष्यों– अरिहंत सारिपुत्त और अरिहंत मौदग्लयायन के पवित्र अवशेषों के पहुँचने पर वहाँ के लोग काफी भावुक थे और उन्हें थाईलैंड के चार प्रान्तों में दर्शन के लिए 25 दिनों तक रखा गया। उन्हें लगा कि स्वयं भगवान बुद्ध ही वहाँ पहुँच गये हैं। राज्यपाल की थाईलैंड की यह यात्रा तीसरी गंगा–मेकांग पवित्र अवशेष धम्मयात्रा थी। चौथी यात्रा पर थाईलैंड का प्रतिनिधिमंडल भारत आया हुआ है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत और थाईलैंड में भौगोलिक रूप से अंतर भले हो, परन्तु आध्यात्मिक रूप से हम एक हैं और सांस्कृतिक रूप से काफी गहराई से जुड़े हुए हैं। यह सदी एशिया की है। थाईलैंड में काफी लोग हिन्दू देवी–देवताओं की पूजा करते हैं। सनातन और बौद्ध धर्म में कोई मौलिक भिन्नता नहीं है।

कार्यक्रम को श्री सुपाचाई वीरापुचोंग एवं अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महासचिव श्री जांगचुप छोड़ेन ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर चौथे मेकांग–गंगा धम्मयात्रा पर थाईलैंड से आये प्रतिनिधिमंडल के सदस्यगण, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....